मध्य प्रदेश में उत्पादित उर्वरक की अन्य राज्यों को सप्लाई

5660. **श्री गंगा चरण दीक्षित:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने मध्य प्रदेश राज्य की उर्वरक कम्पनियों में उत्पादित उर्वरकों को अन्य राज्यों में सप्लाई करने का निर्णय किया है ;

(ख) चालू वर्ष में मध्य प्रदेश में उर्वरकों का कितना उत्पादन हुआ; और

(ग) अन्य राज्यों को कितना प्रतिशत उर्वरक भेजा गया ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णासाहिब पी० शिन्दे) : (क) विभिन्न राज्य सरकारों और उर्वरक विनिर्माताओं के साथ हाल ही में हुए उर्वरक विषयक क्षेत्रीय सम्मेलनों में तैयार की गई समन्वित पूर्ति योजनाओं के अनुसार मध्य प्रदेश स्थित उर्वरक कम्पनियों अर्थात् मैसर्स धर्मसी मोरारजी केमिकल कं०, कुम्हारी तथा मैसर्स हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड, भिलाई से नाइट्रोजन तथा फास्फेट युक्त उर्वरकों का फरवरी से जुलाई, 1973 तक का उत्पादन मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और महाराष्ट्र राज्यों में वितरित किया जायेगा ।

(ख) मध्य प्रदेश राज्य में 1972-73 के दौरान फरवरी, 1973 के अन्त तक नाइट्रोजन (एन) एवं फास्फेट (पी) युक्त उर्वरकों का उत्पादन इस प्रकार रहा है :—

	एन	पी
	(मीट्रिक टन)	
धर्मसी मोराजी केमिकल (क० कुम्हारी)	—	90,086
हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड (भिलाई)	5,404	—

(ग) मध्य प्रदेश स्थित उपर्युक्त दो यूनिटों में फरवरी—जुलाई, 1973 में हुए उत्पादन की प्रतिशतता जिसे केवल मध्य प्रदेश में ही वितरित किया जायेगा, 81 होगी । शेष 19 प्रतिशत का वितरण उपर्युक्त अन्य राज्यों को इस अनुपात में किया जायेगा :—आंध्र प्रदेश 11 प्रतिशत, उड़ीसा 6 प्रतिशत तथा महाराष्ट्र 2 प्रतिशत । इसके बदले में मध्य प्रदेश को उसकी आवश्यकताओं का एक काफी भाग आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, राजस्थान और गोवा स्थित उर्वरक कारखानों से प्राप्त होगा ।

श्रव्य-दृश्य साधन सामग्री की कमी

5661. **श्री गंगा चरण दीक्षित :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या श्रव्य-दृश्य साधन सामग्री एवं उपकरणों की बहुत अधिक कमी महसूस की जा रही है जिसके परिणामस्वरूप विस्तार कार्यक्रम में बाधा आ रही है ; और

(ख) यदि हां, तो प्राथमिकता के आधार पर उक्त साधन सामग्री उपलब्ध कराने की दृष्टि से सरकारी स्तर पर क्या प्रयास किये जा रहे हैं ?